फागुन की मस्त बहार | By Kuldeep Sharma

आई फागुन की मस्त बहार
मेला श्याम धणी के द्वार लागे
खेले होली है लखदातार
मेला श्याम धणी के द्वार लागे

ऐसा ना मेला लागे दूजा संसार में
मस्ती में झूम रहे सब दरबार में
प्रेमी करते बाबा का मनुहार
सबसे प्यारा लीले का असवार लागे

लहरें निशान चारो दिशा बाबा श्याम के
घर घर में चर्चे हैं आज खाटू धाम के
लगी दर्शन की लम्बी कतार
वहां सांवरे की नित जयकार लागे

नैनो ही नैनो में दिल ये चुरा रहा
सबको दीवाना ये अपना बना रहा
ऐसा गज़ब करे श्रृंगार
दूल्हा सा सांवरिया सरकार लागे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ab%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a5%81%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%a4-%e0%a4%ac%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-kuldeep-sharma/